केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ७ मार्च, २०१० को होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावना है ।

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा

पूर्व कसौटी : सत्संग परिचय : प्रश्नपत्र - २

जनवरी, २०१० **समय : दौपहर २.०० से ४.१५** **कुल गुणांक : ७५**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत कीजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन — दिनांक ☐☐ महीना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर .....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (८)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	१२ (६)	
विभाग-२, कुल गुण		

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેક૨ - નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

२. **बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

३. दायीं ओर दिए गए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं ।

४. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

५. मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पनों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।

६. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

७. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी ।

८. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

विभाग - १ : किशोर सत्संग परिचय

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''आई (माँ) को सारे सामान के साथ गढ़डा भेज देना चाहिए । दरबार अपने पुत्र का बदला अवश्य लेगा ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''आज से तुम्हें ज्ञान सिद्ध हो गया है ।''

३. ''नदी से पानी भरने जा रही हूँ ।''

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६)**

१. स्वरूपानन्द स्वामी को अन्तर में शान्ति हो गई ।

.....

.....

.....

.....

२. हिमराजभाई को गोपालानन्द स्वामी वल्लभ स्वामी जैसे लगे ।

३. मूर्तिपूजा मुमुक्षुओं के लिए मुक्ति का माध्यम है ।

प्र. ३ 'दामोदरभाई' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५)**

१. उत्तम निर्विकल्प निश्चय किसे कहते हैं ?

.....

.....

२. मंत्री पुत्र को बेचैनी क्यूँ होने लगी ?

३. भगवान को ज्योतिस्वरूप कहा हो तब क्या समझना चाहिए ?

४. विवाह की रात को राजबाई के पति ने क्या देखा ?

५. ज्ञान का आधार क्या हैं ?

प्र. ५ 'कल्याण के लिए कितनी गरज़.....' – **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए ।** **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ६ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । **(८)**

१. भवसंभवभीति .....

..... भजे सदा ।

२. क्यारेक साधु रे ..... वंचाय त्यारे ।

३. हे हरि हरि प्रभु ..... तेना छो हरनार ।

४. ''यस्यात्मबुद्धिः ..... स एव गोखरः ॥'' – इस श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

विभाग – २ : प्रागजी भक्त

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''प्रागजी जैसे महान भक्त को निकाल दें यह समझ में नहीं आता ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''महाराज से प्रार्थना करो, सब कुछ ठीक हो जाएगा ।''

३. ''भगवान ऐरे-गैरे को धारण नहीं करता ।''

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६)**

१. गिरधरभाई को विश्वास हो गया कि प्रागजी भक्त परम एकान्तिक भक्त है ।

.....

.....

.....

.....

२. अहमदाबाद मन्दिर का वातावरण बदल गया ।

३. माना भगत चुप हो गए ।

प्र. ९ 'कंटकाकीर्ण मार्ग - विरोध का आरम्भ' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५)**

१. प्रागजी भक्त कैसे भगवान के स्वरूप में निमग्न रहते थे ?

.....

.....

२. श्रीजीमहाराज ने कमा सेठ को सपने में क्या आदेश दिया ?

३. गोपालानन्द स्वामी ने बालक प्रागजी के लिए क्या कहा ?

४. विज्ञानानन्द स्वामी ने कौन सी बात की पुष्टि की ?

५. गुणातीतानन्द स्वामी ने किसको ज्ञान समर्पित करने को (देने को) कहा ?

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **(६)**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. गोपालानन्द स्वामी अक्षरधाम पधार गए ।

(१) ☐ संवत् १९१९ (२) ☐ संवत् १९०८

(३) ☐ वैशाख कृष्णा चतुर्थी (४) ☐ जयेष्ठ कृष्णा चतुर्थी

२. भगतजी के संत कठिनाई में ।

(१) ☐ आप तो खुदा के फकीर हैं और ये तो साक्षात् खुदा है ।

(२) ☐ पीज के मोतीलाल ने प्रत्येक गाँव को विवरण पत्र भेजा ।

(३) ☐ यदि वे तुम्हें लकडियों से भी मारें या तुम्हें जूते से मारे, तो भी तुम इनको छोड़ना मत, इनकी आज्ञा में रहो ।

(४) ☐ मैं सत्संग में प्रागजी भक्त के द्वारा प्रकट रहता हूँ ।

३. भगतजी ने सन्तों को सुख देने के लिए भाद्रोड में लीला की ।

(१) ☐ भगतजी ने सन्तों को कहा, 'यदि तुम मेरी आज्ञा के अनुसार वर्तन करोंगे तो मैं तुम्हारी आज्ञा में रहूँगा ।'

(२) ☐ मक्के की रोटी और मूली की सब्जी तैयार करवाई ।

(३) ☐ यज्ञपुरुषदासजी बड़ी कठिनाई से तीन रोटले खा पाए ।

(४) ☐ यदि तुम पूरा रोटला और खा लो तो मैं वही करूँगा जो तुम चाहोगे ।

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । **(६)**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : जूनागढ में अपूर्व सम्मान : जूनागढ के अमीन हरिभक्त आचार्य जटाशंकर ने अपने शिष्य मणीलाल भट्ट से कहा, ''यह जागा भक्त जैसे चमार खाँट के ऊपर बैठे हैं और आचार्य उसे दण्डवत् करते हैं ।''

उत्तर : जूनागढ में अपूर्व सम्मान : जूनागढ के **नागर** हरिभक्त **डॉ. उमियाशंकर** ने अपने **गुरु बालमुकुन्ददासजी** से **पूछा**, ''यह **प्रागजी भगत** जैसे **दरजी गद्दी के** ऊपर बैठे हैं और **संत** उसे दण्डवत् करते हैं ।''

१. **वांसदा के दीवान के साथ सत्संग :** विज्ञानदासजी के प्रसंग से वांसदा के दीवान नडियाद के देसाई रावजीभाई मगनभाई को जागा भक्त की सेवा करने की इच्छा से उन्होंने आचार्य महाराज और बेचर भगत के नाम से अहमदाबाद चार पत्र लिखे ।

उ. .....

.....

२. **ऐश्वर्य दर्शन :** दूसरे का कहना सुनोगे तो सफल नहीं हो सकोगे । महाराज के कहने से पुन: जाओ और स्वामी के द्वारा स्थापित गणपतिजी की मूर्ति को मोदक अर्पण करो ।

३. **शिष्य की योग्यता की परीक्षा :** गिरनार के जंगल में पार्षदों और दरबारों के साथ महाराज घास काटने गए । उस दिन ओले पड़ने लगे, जागा भक्त ने तीन धोतियाँ जोड़कर चद्दर बनायी और महाराज को उसके नीचे बैठाया ।

४. **कंटकाकीर्ण मार्ग - विरोध का आरम्भ :** एक बार महाराज घोडागाडी से जामनगर से पीपलाणा जा रहे थे । स्वामी घोडागाडी में बैठे थे, कुछ संतो भी उनके साथ में खडे थे ।

५. **प्रागजी भक्त का बाल्यकाल :** स्थान देवता को थाल अभी नहीं दिया था अत: भाभी ने मना कर दिया । भाभी किसी काम से अन्दर गई, झीणाभाई चुपकी से कमरे में चले गए ।

६. **निष्कासन वापस लिया :** सन् १९५९ में वरताल ज्ञानबाग में खातमुहूर्त के प्रसंग में कोठारी गोरधनभाई ने जागा स्वामी को बुलाया था । विज्ञानदासजी भी शामजीभाई के भाई महिधर शास्त्री को बुलाकर नडियाद से आए ।

* * *